



Dinesh mishra

29 Dec 1995

04:40 PM

Budaun

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121067301

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121067301

Date: 27/01/2026

लिंग _____:	पुल्लिंग	दादा का नाम _____:	
जन्म तिथि _____:	29/12/1995	पिता का नाम _____:	
दिन _____:	शुक्रवार	माता का नाम _____:	
जन्म समय _____:	16:40:00 घंटे	जाति _____:	
इष्ट _____:	23:59:40 घटी	गोत्र _____:	
स्थान _____:	Budaun	चैत्रादि संवत / शक _____:	2052 / 1917
राज्य _____:	Uttar Pradesh	मास _____:	पौष
देश _____:	India	पक्ष _____:	शुक्ल
अक्षांश _____:	28:02:00 उत्तर	सूर्योदय कालीन तिथि _____:	8
रेखांश _____:	79:07:00 पूर्व	तिथि समाप्ति काल _____:	12:41:19
मध्य रेखांश _____:	82:30:00 पूर्व	जन्म तिथि _____:	9
स्थानिक संस्कार _____:	-00:13:32 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____:	उ०भाद्रपद
ग्रीष्म संस्कार _____:	00:00:00 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल _____:	07:48:38 घंटे
स्थानिक समय _____:	16:26:28 घंटे	जन्म नक्षत्र _____:	रेवती
वेलान्तर _____:	-00:01:45 घंटे	सूर्योदय कालीन योग _____:	वरियान
साम्पातिक काल _____:	22:56:13 घंटे	योग समाप्ति काल _____:	08:15:03 घंटे
सूर्योदय _____:	07:04:07 घंटे	जन्म योग _____:	परिघ
सूर्यास्त _____:	17:26:39 घंटे	सूर्योदय कालीन करण _____:	बव
दिनमान _____:	10:22:32 घंटे	करण समाप्ति काल _____:	12:41:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____:	उत्तरायण	जन्म करण _____:	बालव
सूर्य स्थिति(गोल) _____:	दक्षिण	भयात _____:	22:08:27
ऋतु _____:	शिशिर	भभोग _____:	62:49:32
सूर्य के अंश _____:	13:27:13 धनु	भोग्य दशा काल _____:	बुध 10 वर्ष 11 मा 13
लग्न के अंश _____:	03:48:03 मिथुन		

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

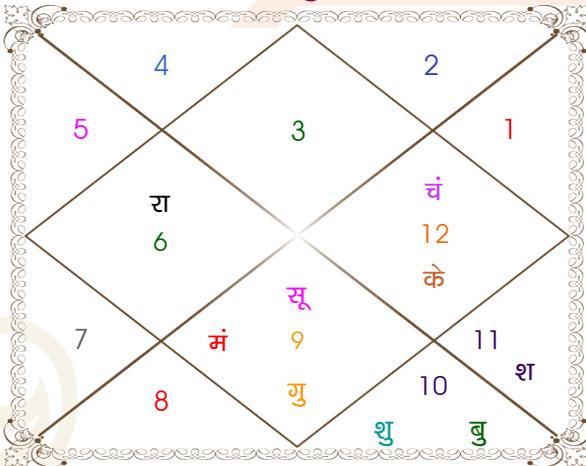
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मिथुन	03:48:03	---	--	--	--	नेक
सूर्य	धनु	13:27:13	मित्र राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	मीन	21:24:31	सम राशि	हाँ	--	--	मन्दा
मंगल	धनु	28:23:33	मित्र राशि	--	--	--	नेक
बुध	मकर	02:10:44	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	धनु	05:05:59	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	मकर	15:41:52	मित्र राशि	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	कुम्भ	25:25:34	स्वराशि	--	--	--	नेक
राहु	कन्या	29:42:54	मूलत्रिकोण	--	--	हाँ	नेक
केतु	मीन	29:42:54	मूलत्रिकोण	हाँ	--	हाँ	मन्दा

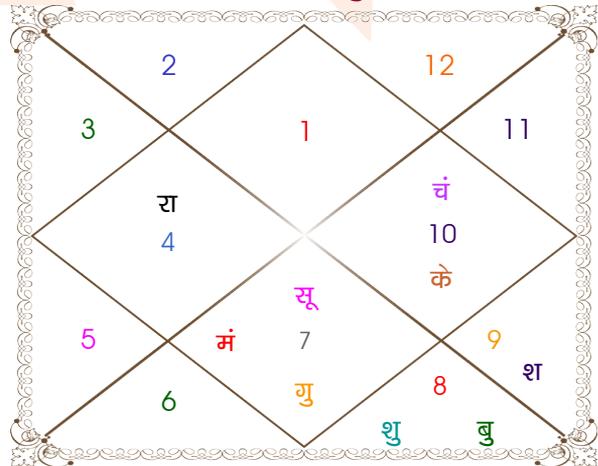
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप सरकारी पद पर हैं तो आपका मिजाज गर्म होगा। जो आपको लाभ देगा। आपके पारिवारिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। आपके जन्म से पहले मां-बाप की आर्थिक स्थिति खराब परंतु जन्म के बाद ठीक हुई होगी। पराई ममता या दूसरी स्त्री साथ देगी। शरीर पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपका परिवार ठीक रहेगा। आपकी औलाद के पास धन रहेगा। आपके हौसले बुलंद रहेंगे। आप आला किस्म के मर्द होंगे। आपको बिना यत्न बुजुर्गों का धन मिलेगा। आपके ससुराल वालों से संबंध अच्छे रहेंगे। आप धन की खूब बचत करेंगे। विवाह के बाद किस्मत चमकेगी, आपका पत्नी के अतिरिक्त और भी औरतों से संबंध हो सकते हैं या दो विवाह भी हो सकते हैं। आपकी लड़की अच्छे घर में ब्याही जाएगी। भागीदारी के कामों से लाभ मिलेगा। आपकी ज्योतिष, कर्मकांड में रुचि रहेगी। अंत समय में आप अपने घर पर ही मौजूद रहेंगे।

यदि आपने भागीदार से झगड़ा किया, धन के लिए ससुराल वालों को तंग किया, झूठ-झूठ में विश्वास रखा, सरकार का टैक्स चुराया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से ससुराल के खानदान का समय बिगड़ जाएगा। पत्नी अस्वस्थ हो सकती है। 25 वर्ष तक स्त्री का सुख मंदा रहेगा। यदि आप नौकरी या व्यापार करते हैं स्वभाव गर्म होगा तो हानि होगी। सरकारी विभाग में नौकरी हैं तो गर्म स्वभाव रखना आपकी आदत होगी। कभी-कभी नर संतान से परेशानी रहेगी या आपके परिवार में लड़का नंगा या पागल हो सकता है। यदि आप चोरी-छगी करेंगे तो आर्थिक स्थिति खराब होती जायेगी। ज्यादा गुस्सा करना, खुदगर्जी, खुशामदी बर्बादी की निशानी हो सकती है। आपके पैर में कुछ तकलीफ होगी। पत्नी से झगड़ा, जुदाई या तलाक हो, ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नौकरी करते हैं या दुकानदार हैं तो गर्म मिजाज न रहें।
2. सरकारी विभाग में नौकर हैं तो गर्म मिजाज रखें।

उपाय :

1. घर से काम पर जाते समय चीनी खाकर पानी पीकर जायें।
2. रात को रोटी पकाने के बाद गैस-चूल्हा या चूल्हे की आग दूध के छीटे देकर बुझावें। वह गैस चूल्हा या चूल्हा/सूर्योदय से पहले न जलावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुल की नैया पार लगायेंगे। आपको चीर-फाड़ के या सर्जिकल के सामान से अधिक लाभ होगा। आप

चिकित्सक होकर भी डॉक्टर का काम नहीं करें। यदि डाक्टर बन कर डाक्टर का कार्य करते हैं तो अपने पास से दवाई न दें। आपको माता-पिता का पूरा सुख मिलेगा। आपको मकान और ससुराल वालों से लाभ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा।

यदि आप डाक्टर हैं और अपने पास से रोगी को लिक्विड दवाई दी, समाज विरोधी कार्य किये, बड़े-बुजुर्गों का अपमान किया, रात के समय अपने मकान की नींव रखी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी प्रेमिका या विधवा स्त्रियों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाजी और तैरते को पानी में डुबाने वाले होंगे। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी भी औरत के साथ नाजायज संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपका मां से अच्छा सलूक नहीं रहेगा। दवाई के व्यापार से हानि होगी। आपको चोर-डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है। आपकी माता को 10 वर्ष बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

उपाय :

1. दूध को फटा कर दूध का पानी पीयें (खराब सेहत के समय)
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल सातवें पड़ा है। इसकी वजह से आप शाही जीवन बिताएंगे, आपको भाई से लाभ मिलेगा। आपकी संतान की वृद्धि होगी। हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा। परिजनों से सहायता मिलेगी। पत्नी का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आप धर्मात्मा, नेकनामी और वक्त मुसीबत में रोते को सहारा देने वाले होंगे। रोते हुए को हंसाना आप में एक विशेष गुण होगा। आप इन्साफ पसंद आदमी होंगे। ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी। आपकी सरकारी विभाग में नौकरी हुई तो आपका रुतबा बढ़ेगा। आप विदेश की यात्रा करेंगे। पार्टनरशिप का धंधा भी ठीक रहेगा। आप जो भी चाहेंगे, एक बार अवश्य ही मिलेगा। मगर बार-बार मिलने की उम्मीद नहीं है। आप विष्णु भागवान की तरह खानदान की परवरिश करते रहेंगे। आपको जज या सरपंच या ऐसा अधिकार प्राप्त होगा जिसमें सच्चाई ढूँढना और इन्साफ करना होता है।

यदि आपने लोगों से झगड़ा-फसाद किया, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, बेटी पैदा होने के बाद आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप अपने साथ विधवा बहन-बुआ या साली को पास नहीं रखें जीवन

का फल अशुभ होगा। एक से अधिक या कई औरतों से आपका संबंध रहेगा। परस्त्री के संबंध से आपकी आयु अल्प हो सकती है। आपको रक्त संबंधी दोष हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. घर में बेलदार पौधे न लगावें।

उपाय :

1. बहन-बेटी को मीठा या मिठाई दें।
2. भतीजा-भतीजी की सेवा करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपको परिश्रम करते रहना पड़ेगा। आप गुप्त विद्या के जानकार या गुप्त विद्या से लगाव रखने वाले हैं। 34 वर्ष के बाद समय अच्छा हो जाएगा। राजदरबार से सम्मान मिलेगा, ससुराल से लाभ मिलेगा।

यदि आपके घर में लाल, गुलाबी, महरुन आदि रंग के कोरे कपड़े होंगे या मिट्टी का कोरा बर्तन होगा घर की सीढ़ियां टूटी हुई होंगी, परस्त्री संबंध रखेंगे तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपका धन रोग-बीमारी में बहुत खर्च होगा। गुप्त रूप से तबाह होते रहेंगे। कुछ हानिकारक समय आ सकता है। आपको काफी सूझ-बूझ से काम लेना चाहिए अन्यथा जेल भी जाना पड़ सकता है। अस्पताल, वीरान अथवा घर से बाहर समय बिताना पड़ सकता है। नौकरी या व्यवसाय में अचानक बाधा आ सकती है। आय में आधे की क्षति हो जाएगी जो समझ में नहीं आएगी। दंत या नाड़ियों में बीमारी हो सकती है। पत्नी का मारक योग या दो पत्नी रखेंगे। धन-दौलत भी खतरे में पड़ सकती है। स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। 32 से 34 वर्ष की आयु में धनाभाव के कारण अन्य स्रोत में रुकावट ही होगी। 16 से 21 वर्ष तक की आयु का समय एकदम बेकार रहेगा। उम्र के 34 वर्ष तक अच्छा विकास नहीं होगा। धन-सम्पत्ति पर बुरा असर पड़ेगा। आलस्य के कारण उल्टा प्रभाव पड़ेगा और आर्थिक नुकसान होगा। जीवन में दीमक लग जाएगा अर्थात् आपके सुख के साधन खराब हो सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. लाल, गुलाबी, महरुन रंग के कोरे कपड़े न रखें।
2. घर में धर्म स्थान की जगह न बदलें।

उपाय :

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. काला अंडरवियर पहनें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति सातवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से अधिक उम्र में या विवाह के बाद देर से संतान सुख प्राप्त होगा। पुत्र प्राप्ति के बाद पिछले कष्ट दूर हो जाएंगे। आप पूर्ण सुखी हो जाएंगे। पत्नी नौकरी करेगी उसकी कमाई से धन में वृद्धि होती रहेगी। आप स्वस्थ एवं पत्नी से सुखी रहेंगे। आप पिता से अलग होकर, साझेदारी का व्यवसाय चलाएंगे। संतान का भी सामान्य सुख ही मिलेगा। आप 40 वर्ष की उम्र तक ऐय्याशी करेंगे। ससुराल से मिली चीजों में बरकत होगी। आप धार्मिक कामों में हमेशा रुचि रखेंगे। आप ज्योतिष विद्या के जानकार और माहिर होंगे और ज्योतिष के द्वारा धन की प्राप्ति भी होगी। आपको दलाली या व्यापार के कामों से लाभ होगा। आपके धन से दूर के रिश्तेदार लोग सुख पायेंगे परंतु आपके जीवन में आराम नहीं मिलेगा। आपको लोहे, मशीनरी, काली चीजों का व्यापार, मकान बनाने की चीजें (लोहा, ईट, पत्थर सीमेंट, लकड़ी आदि) का व्यापार शुभ फल देगा। आप जीवन में अपनी जवानी में खूब ऐशो-आराम करेंगे। पिता और ससुर से लाभ और सुख मिलेगा।

यदि आपके घर के मंदिर में मूर्तियां होंगी (तस्वीरों का वहम नहीं), चांदी आदि धातु की मूर्तियों वाले सिक्के होंगे या धार्मिक ग्रंथ बंद पड़े होंगे, रत्तियां (जिससे पहले समय में सुनार सोना आदि तोलते थे) पड़ी होंगी तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आप भाई से दुःखी रहेंगे। घूमने-फिरने वाले साधू की संगति से भाग्य मंदा हो जाएगा। आपको आमदनी होने के बावजूद आप पर कर्ज का बोझ भी पड़ेगा। आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। पत्नी के अतिरिक्त दूसरी औरत से हानि होगी। पिता का सुख कम मिलेगा। आप संगति के प्रभाव से चोर या डाकू भी हो सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घूमने-फिरने वाले पीले वस्त्र धारी साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी, घंटी, ठाकुर न रखें।

उपाय :

1. सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आपके ससुराल वाले आपको कुछ न कुछ देते रहेंगे तो इससे दोनों परिवारों का कल्याण होगा।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपकी अच्छी आमदनी होगी। किसी भी लड़ाई-झगड़े में आपकी जीत होगी। औलाद की बीमारी के प्रति चौकन्ना रहें। आप में काम शक्ति की अधिकता रहेगी। अपने भोजन खाने-पीने पर पूरी चौकसी बरतें। आप परिश्रम करने में संकोच नहीं करेंगे। परंतु आलस्य आपको कर्महीन बना सकता है। आपको पत्नी और औलाद का अच्छा सुख मिलेगा। जन्म स्थान से दूर, देश से विदेश तक कहीं भी निवास स्थान बनाना पड़ेगा। जल से संबंधित कामों या समुद्री यात्रा में तथा विदेशी औरतों से सावधान रहना जरूरी है। आपकी पत्नी की जुबान से निकला शब्द पत्थर पर लकीर होगा अर्थात् आप अपनी पत्नी को न कष्ट देवें और न सतायें।

यदि आपका चाल-चलन खराब हुआ, ससुराल वालों को धोखा दिया या झगड़ा किया, सफेद बिना सींग की गाय घर में रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप पर हमेशा ही कर्ज का बोझ बना रहेगा। अधिकतर बीमार रहा करेंगे। आपकी पत्नी चिड़चिड़े स्वभाव की कुटिल होगी। आप किसी की जमानत न दें, वरना जमानत आपको भरनी पड़ सकती है। जिसका भाग्य पर बुरा असर पड़ेगा। 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें अन्यथा पत्नी सुख में बाधा आ सकती है। आपकी बदनामी भी हो सकती है। आपके गुप्तांग में रोग हो सकता है। आलस्य के कारण भी शराबी और कबाबी होना तथा पराई स्त्री से संबंध रखने से, गुप्त रोग हो सकते हैं और आपके कामों में रुकावट पैदा होने के कारण बनेंगे। आप अपने जीवन में कुछ ऐसा कर गुजरेंगे जिससे आपको पश्चात्ताप होता रहेगा। पत्नी से झगड़ा करना आप को हार और हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दान या भिक्षा न मांगें।
2. ससुराल से धन आदि का धोखा न करें।

उपाय :

1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।
2. धर्मस्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि नौवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप लोगों पर परोपकार करेंगे तथा इसके अच्छे लाभ भी आपको मिलेंगे। आप बड़े परिवार के सदस्य होंगे। आप भाई एवं मित्रों से सहयोग प्राप्त कर धनवान बनेंगे। आपको चलते-फिरते कामों से अधिक लाभ मिलेगा। आपको संतान का सुख होगा। परंतु संतान के सुख प्राप्ति में विलंब हो सकता है। आपकी पत्नी धनी परिवार से होगी। आपके पास प्रचुर मात्रा में धन रहेगा। आप धन के विषय में लापरवाह रहेंगे। आप उदार प्रवृत्ति के, जागीरदार, सदा सुखी होंगे। माता-पिता का

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप विद्वान होंगे। आप पर कभी भी कर्ज का बोझ नहीं पड़ेगा। आपका भाग्य अपने माता-पिता के भाग्य से अच्छा होगा। आपकी पत्नी भाग्यवान और अमीर खानदान की होगी। आप पैसे के प्रति बहुत मोह नहीं करेंगे। तीर्थ यात्रा करेंगे भाग्योन्नति होगी उससे अधिक शुभ फल प्राप्त होते रहेंगे। आप धार्मिक विचार वाले होंगे।

यदि आपने दूसरों के माल पर बुरी नजर रखी, जुआ आदि खेला, बुरे काम किये, लोहा/मशीनरी आदि के कार्य किये, घर में शीशम का पेड़ हो, जब आपके नाम 3 मकान बन जायें तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप ब्याज का धंधा करें तो नुकसान होगा। आपके दिल में दूसरों से बदला लेने की भावना रहती है। अग्निकाण्ड की शंका है। आपको सांस या दमे की बीमारी हो सकती है। संतान सुख में विघ्न या पुत्र-पौत्र संतान की चिंता रहेगी। मंदे कामों से बदनामी भी हो सकती है। आंखों की दृष्टि खराब हो ऐसी आशंका है। अमीरों से धन लूट कर गरीबों में बांटना, ऐसी आपकी सोच रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न करें।
2. घर की छत पर ईंधन-चौगाठ आदि न रखें।

उपाय :

1. माथे पर केसर का तिलक करें।
2. घर के अंत में अंधेरा कमरा बनायें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सर्वगुण संपन्न, धनवान, और आयुवान होंगे। आप तीर्थ यात्रा करेंगे। आप एक सज्जन पुरुष होंगे तथा अपना जीवन सुख से बितायेंगे। आप अपार धन-संपत्ति के मालिक बनेंगे। आपको अपने सगे संबंधियों से भी धन-दौलत प्राप्त होगी। आप दूसरों की भलाई करेंगे आप भले लोगों की गिनती में गिने जाएंगे। आप धर्मात्मा, वाहन सुख से युक्त होंगे। आप अपनी बहन और पुत्री पर धन खर्च करेंगे। आपको ससुराल से भी धनागम होता रहेगा। आपको सरकार पक्ष से पूरा लाभ होगा तथा अपने बुजुर्गों का घर भर देंगे। ससुराल में भी धन की वृद्धि होगी। आप के पास 24 वर्ष की उम्र के बाद धन एकत्र होगा, गरीबी दूर हो जाएगी और धन की वर्षा होगी। आपके पिता और आपके पुत्र पर अच्छा असर पड़ेगा परंतु माता के लिए अशुभ होगा। आपके पास भूमि, भवन, वाहन सभी प्रकार के सुख-संसाधन उपलब्ध होंगे। यदि आप सरकारी महकमे में कार्यरत होंगे तो सरकारी महकमे में बड़े अफसर होकर अच्छा ओहदा प्राप्त करेंगे। आप जन्म भर सुखी रहेंगे। बंदूक-पिस्तौल आदि रखने का शौक होगा।

यदि आपने पाखाने की जगह बदली, घर की छत पर लकड़ी के कोयले रखे,

सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाई, माता की आयु की स्त्रियों से संबंध रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके जीवन का 34वां वर्ष कष्टकारी होगा। माता को कष्ट की आशंका है। आप माता का विरोध करेंगे। ससुराल, ननिहाल के लिये अशुभ रहेगा, राजदरबार में हानि, दो विवाह योग या पत्नी के साथ रखल रखें, ऐसी शंका है। रखल पर धन बर्बाद करके अपना जीवन नष्ट कर लेंगे। आपको वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। दिन में स्वप्न देखने वाले होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माता की आयु की स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान, नौकर-चाकरों से युक्त, उत्तम सुख से परिपूर्ण तथा अपने पथ पर अग्रसर रहने वाले होंगे। आप इतने अच्छे मुकद्दर के हैं कि आप मिट्टी छुएं तो सोना हो जाता है। 24 वर्ष की उम्र के बाद संतान प्राप्ति योग होगा। आपको कन्या संतान से सुख और पुत्र संतान से मध्यम सुख संभव है। आपको पुत्र का सुख प्राप्त होने की आशा है। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। निर्धनता कभी भी नहीं आएगी। आप शक्की स्वभाव के हैं। आपके जीवन में 48 वर्ष आयु तक समय तो मिला-जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिला-जुला कर आपका जीवन सुखमय ही रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पर स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखें तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपका चल-चलन ढीला हो तो पुत्रियां अधिक होने, नपुंसक होने की संभावना रहती है। निःसंतान या संतान गोद लेने का योग होता है और जिससे आपको बहुत ही पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। आपके भाई आपको गढ़े में धकेल सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग करेंगे। पराई औरत से संबंध आपके दांपत्य सुख में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपके जीवन के लिए घातक और मौत का कारण सिद्ध हो सकता है। 48 वर्ष के लगभग पुत्र सुख मिलेगा या माता की आंखें खराब होने पर या माता की मौत के बाद पुत्र जन्म हो ऐसी संभावना है। धन का अपव्यय या अवनति होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय :

1. मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

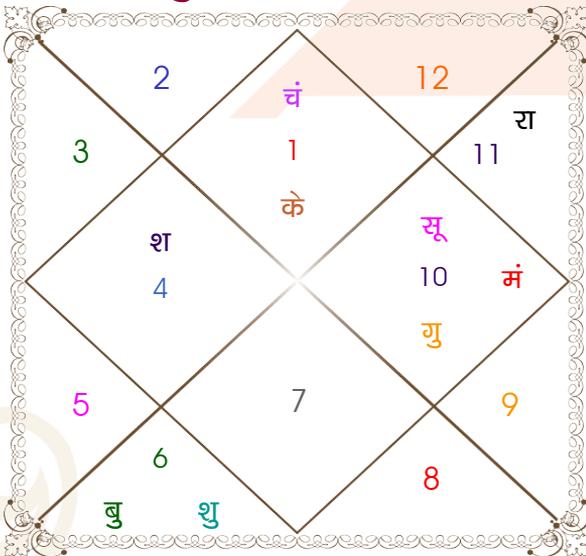
वर्तमान आयु - 32
वर्तमान दशा - मंगल

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

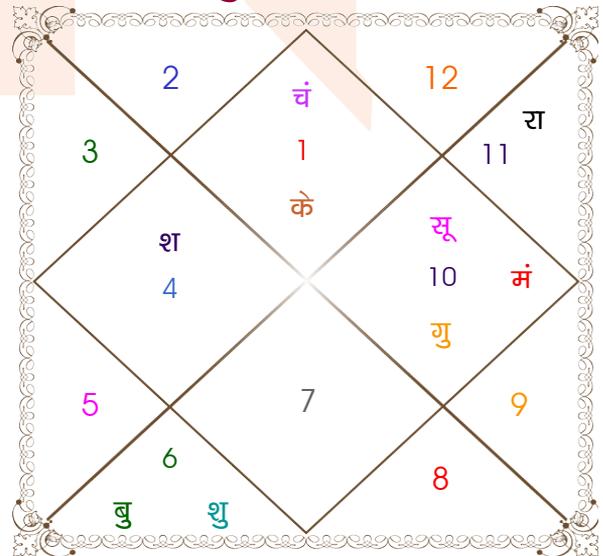
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता का सुख कम या पिता से लाभ न मिलेगा। आंखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, टोपी पहनें या पगड़ी/स्कार्फ बांधें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दुनियावी प्रेम संबंधों के कारण हानि होगी, विद्या संबंधी चिंता होगी। संतान सुख में विघ्न, गाय से नफरत करना या नौकरानी से झगड़ा करना आप की तरक्की में रुकावट होगा। सर्दी-जुकाम का भय रहेगा, पानी से होने वाले रोगों से बचें। माता से दूरी या माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सूर्य को अर्ध्य देवें या वट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।
2. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित व्यक्तियों में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगे। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगे, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।
2. दूध उबाल कर रसोई में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष ध्यान रखें।

DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउंटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर)।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी बुद्धि भ्रमित हो सकती है। पत्नी के पैरों में या ऐड़ियों में दर्द, पत्नी के साथ झगड़ा न करें। काम शक्ति में कमी या स्त्री के गुप्तांगों में रोग रह सकता है, पुत्र संतान की चिंता रहेगी। धन चोरी या गुम हो सकता है इसके पीछे किसी स्त्री का हाथ होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा गिर सकती है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पत्नी लाल दवाई से गुप्तांग धोएं।
2. ठोस शुद्ध चांदी घर में रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर से दूर विद्या अध्ययन करने या कारोबार करने से लाभ होगा। विदेश संबंधित काम या विदेश यात्रा भी हो सकती है। नौकरी-व्यापार में बदली, चाल-चलन ठीक रखेंगे। खराब स्वास्थ्य के समय अल्कोहल से लाभ होगा मगर ठीक स्वास्थ्य के समय अल्कोहल का प्रयोग हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब न पियें, मछली न खावें
2. काला कपड़ा न पहनें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता की चिंता रहेगी, पिता से दूरी या जुदाई हो सकती है। समय कुछ गरीबी में कट सकता है। मौके के ऑफिसर से झगड़ा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। लॉकर/ दराज खाली न रखें उनमें कुछ धन रखें। परिवार पर गोली चलने का भय, नीला नग-नीलम और नीला-काला कपड़ा पहनना हानिकारक है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर सफेद-शरबती टोपी पहनें या पगड़ी बांधें।
2. 4 किलो सिक्का (औफदप टुकड़ा और) चौरस, 4 नारियल सूखे (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीते हैं तो चांदी की पाईप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में किसी व्यक्ति के संतान योग हो तो लड़के की बजाय लड़की पैदा होगी। अगर यात्रा हो तो यात्रा में हानि होगी। नौकरी में स्थायी काम करना अधिक लाभ देगा। घर से दूर स्थानान्तरण हो या विदेश योग बने तो 100 दिन में वापिस आना पड़ेगा। तबदीली हो जाये तो रुक सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. लाल रुमाल पास रखें।
2. काले-सफेद कृत्ते की सेवा करें या पालें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रुमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

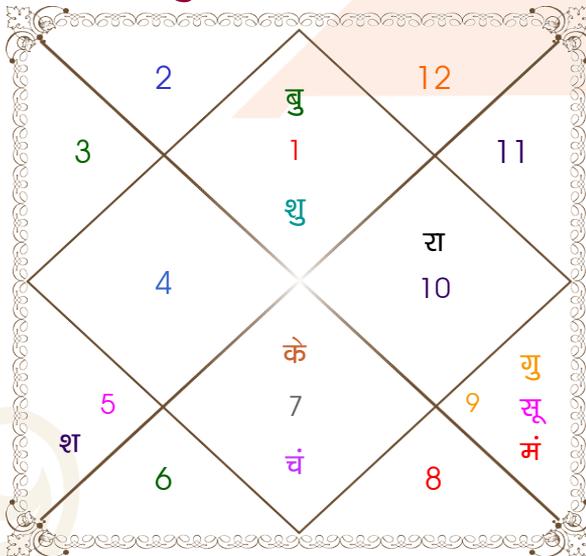
वर्तमान आयु - 33
वर्तमान दशा - मंगल

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	मन्दा
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

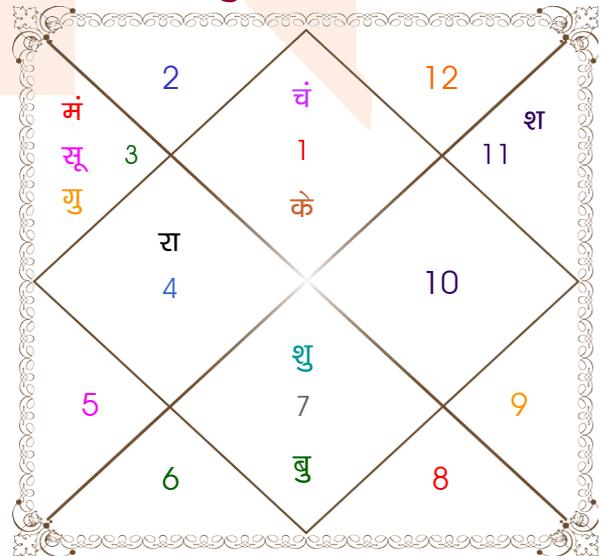
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार के व्यक्तियों के पालन का अतिरिक्त भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में अधिक सफलता नहीं मिलेगी। चाल चलन खराब रखेंगे तो धन हानि का कारण बनेंगे। दूध और पानी मोल बेचने से धन, परिवार या संतान की चिंता बढ़ेगी। पत्नी से दूरी या संबंध विच्छेद का भय रहेगा। विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों में हानि का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध या पानी का दान करें।
2. इस वर्ष विवाह का योग हो तो विवाह से पहले पत्नी के वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी घर में कायम रखें।
3. ठोस शुद्ध चांदी घर में कायम रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति में वृद्धि और उसका लाभ मिलेगा, परिवार में धार्मिक उत्सव भी हो सकता है। नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ मिलेगा। विवाहित भाई के साथ रहेंगे या उसकी पत्नी की सेवा करेंगे तो आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति की हैसियत से उभरेंगे और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. परदेश में रिहाईश न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगे। मधुर भाषा बोलेंगे, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्पाफ्री के कामों से लाभ हो सकता है। आपकी आदत राजाओं जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको, परिवार का मुखिया बनना अवनति का कारण बनेगा। चाल-चलन खराब हुआ तो उसका असर कारोबार या विद्या आदि पर पड़ सकता है। आपके कुछ काम अधूरे रह सकते हैं। मान-सम्मान या उच्च पद नष्ट हो सकता है। पत्नी की किस्मत न साथ देगी और संतान की चिंता रह सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. जौ या सरसों या चरी दान करें।

2. गाय, कौवे और कुत्ते को भोजन का हिस्सा दें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाई-बंधुओं के साथ लड़ाई-झगड़ा या धोखा न करें। मांस-मदिरा का सेवन करना आपको हार और हानि देगा। परिवार में समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेष कर पेट/गुर्दे में पथरी का। आपके नाम पर अगर मकान बनेगा तो पुत्र सुख में बाधा आ सकती है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना या केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका हर काम सरहानीय होगा। सरकारी विभाग में नौकरी करते हैं तो उच्च पद मिले या सरकार द्वारा आपको लाभ होगा। आपके सिर के बाल सफेद होने शुरू हो जायें या हो चुके हों तो आपकी तरक्की की निशानी है। आपका चरित्र भी ऊंचा होना शुरू हो जायेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी झूठ बोलने की आदत हुई या परस्त्री से शारीरिक संबंध रखे तो वह रोग व हानि के सिवाय कुछ न देंगे। आपकी संतान ही आपको डुबो सकती है। झूठ वायदा करना आपको अवनति दे सकता है। आपको अभिमान नहीं करना चाहिए। सच बोलें किसी से झूठ वायदा न करें ऐसा करने से आपकी तरक्की होगी।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. 4 केले 4 दिन जल प्रवाह करें।
2. 4 नींबू (पीले) 4 दिन जल प्रवाह करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- वजन बराबर 9 गुणा 12 दरिया का पानी/चावल/चांदी घर में रखें ?
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



DESTINY VANEY BY PARASS LUTHRA

9888445118

Destinyvaniya@gmail.com